TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

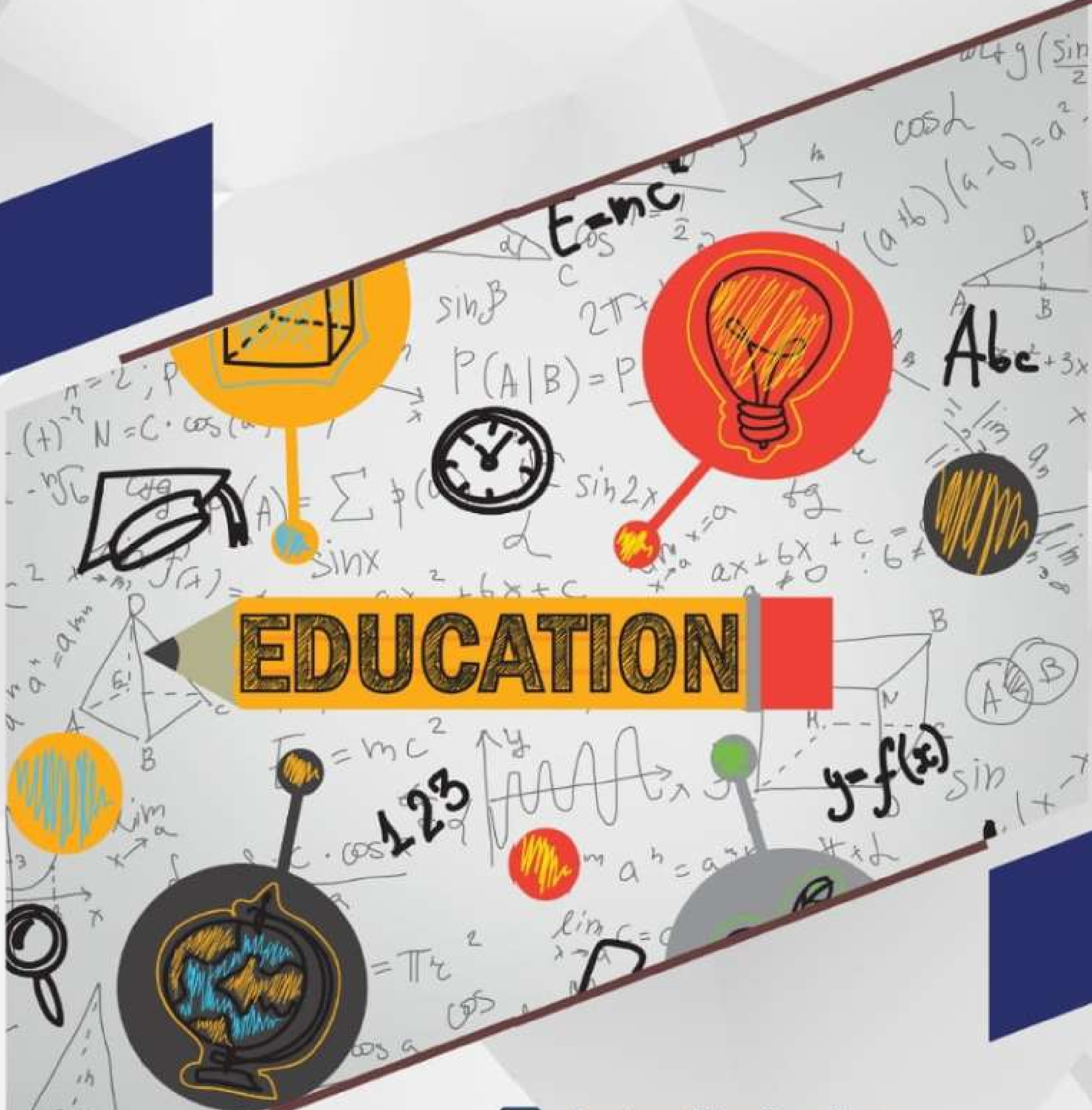

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

30 अप्रैल 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

लोग कहते हैं इस पर विश्वास करो, उस पर विश्वास करो। मैं कहता हूँ खुद पर विश्वास करो। सारी शक्तियाँ तुम्हारे भीतर ही है।

स्वामी विवेकानंद जी

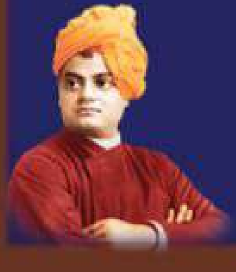

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

30 अप्रैल

मधु प्रिया

दादासाहब फालके का जन्म 30 अप्रैल

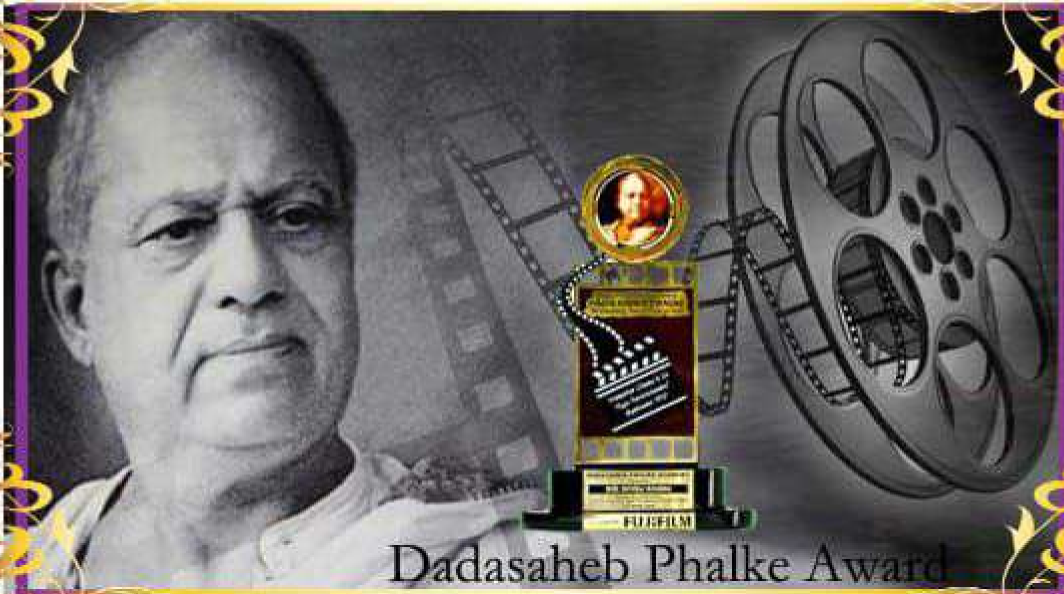

दादासाहब फालके का पूरा नाम धुंडीराज गोविन्द फालके है और इनका जन्म महाराष्ट्र के नाशिक शहर (प्रसिद्ध तीर्थ) से लगभग 20- 25 किमी की दूरी पर स्थित बाबा भोलेनाथ की नगरी त्र्यंबकेश्वर (यहाँ प्रसिद्ध शिवलिंगों में से एक स्थित भी है) में 30 अप्रैल 1870 ई. को हुआ था। इनके पिता संस्कृत के प्रकांड पंडित थे और मुम्बई के एलफिंस्तन कालेज में प्राध्यापक थे। इस कारण दादासाहब की शिक्षा-दीक्षा मुम्बई में ही हुई। चलचित्र-निर्माण की ललक इतनी बढ़ गई कि उन्होंने चलचित्र-निर्माण संबंधी कई पत्र-पत्रिकाओं का अध्ययन किया और कैमरा लेकर चित्र खींचना भी शुरु कर दिया। जब दादासाहब ने चलचित्र-निर्माण में अपना ठोस कदम रखा तो इन्हें बहुत सारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। जैसे-तैसे कुछ पैसों की व्यवस्था करचलचित्र-निर्माण संबंधी उपकरणों को खरीदने के लिए दादासाहब लंदन पहुँचे। वे वहाँ बाइस्कोप सिने साप्ताहिक के संपादक की मदद से कुछ चलचित्र-निर्माण संबंधी उपकरण खरीदे और कुछ दिनों बाद वापस मुम्बई आ गए। उन्होने दादर में अपना स्टूडियो बनाया और फालके फिल्म के नाम से अपनी संस्था स्थापित की। आठ महीने की कठोर साधना के बाद दादासाहब के द्वारा पहली मूक फिल्म "राजा हरिश्चंन्द्र" का निर्माण हुआ। इस चलचित्र (फिल्म) के निर्माता, लेखक, कैमरामैन इत्यादि सबकुछ दादासाहब ही थे। इनकी मृत्यु 16 फ़रवरी 1944 उम्र 73 वर्ष की आयु में नासिक, में हुई।

जयंती विशेष 30 अप्रैल

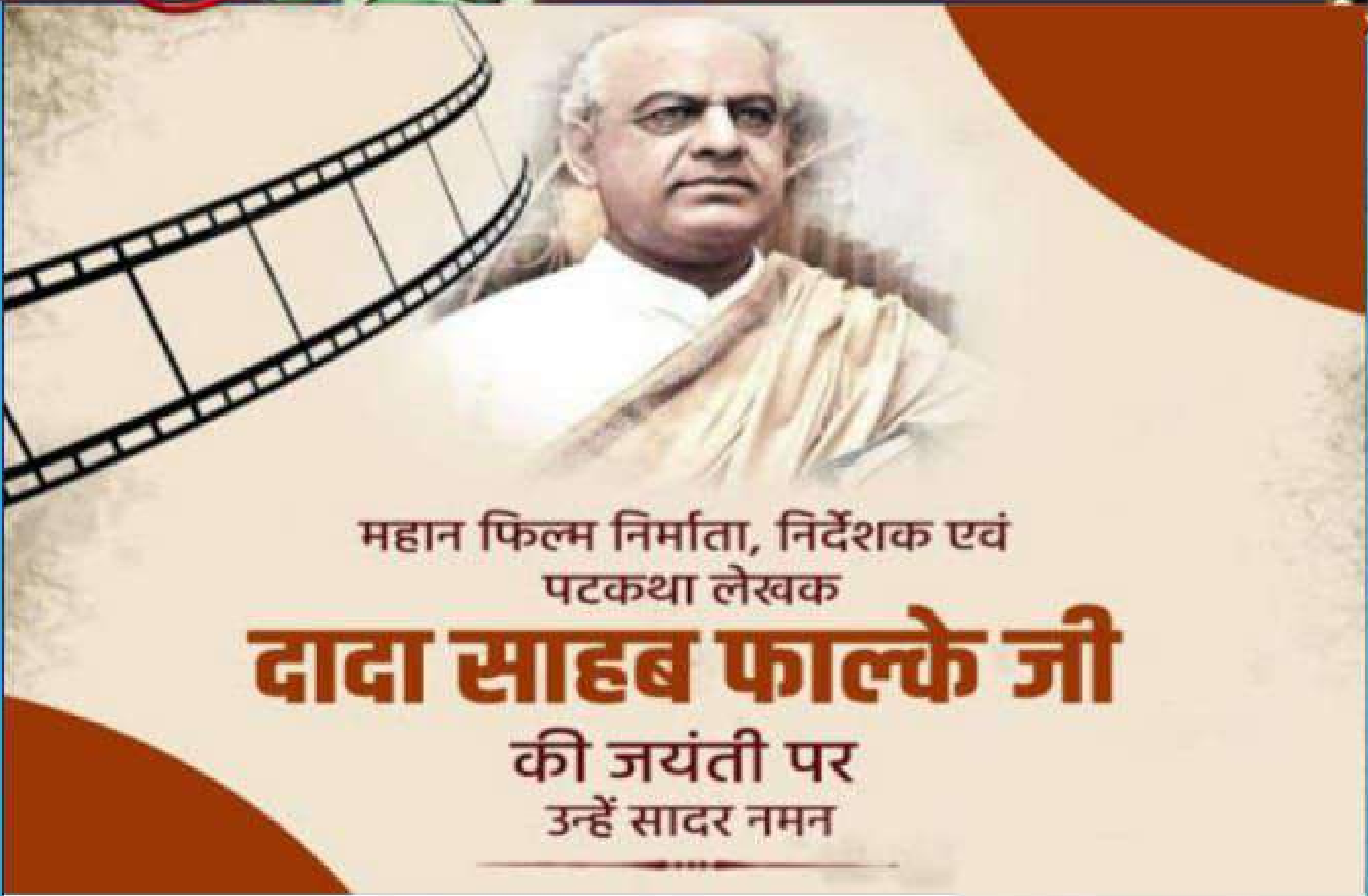

दादा साहब फाल्के *Dada Saheb Phalke*, जन्म: 30 अप्रैल, 1870; मृत्यु: 16 फ़रवरी, 1944) प्रसिद्ध फ़िल्म निर्माता-निर्देशक एवं पटकथा लेखक थे जो भारतीय सिनेमा के पितामह की तरह माने जाते हैं। दादा साहब फाल्के की सौवीं जयंती के अवसर पर दादा साहब फाल्के पुरस्कार की स्थापना वर्ष 1969 में की गई थी। दादा साहब फाल्के पुरस्कार भारतीय सिनेमा का सबसे बड़ा पुरस्कार है, जो आजीवन योगदान के लिए भारत की केंद्र सरकार की ओर से दिया जाता है।

राकेश कुमार

Class 4
EVS

ToB TLM

आस-पास की सफाई

* जिस तरह हम रोजाना शरीर की सफाई करते हैं उसी तरह अपने घर व वातावरण को स्वच्छ बनाए रखना भी जरूरी है।
* आस-पास की साफ-सफाई में नगर निगम और स्वच्छता कर्मी का बहुत बड़ा योगदान रहता है।
* आस-पास की साफ-सफाई रखने की जिम्मेदारी स्वयं लेनी चाहिए ताकि साफ-सफाई से हम स्वस्थ रहें और वातावरण भी स्वच्छ रहें।
* कचड़ा उत्पन्न करने वाली चीजों का कम उपयोग करना चाहिए।
* गलने-सड़नेवाले कूड़े-कचड़े को गड्ढे में डालकर मिट्टी से ढँक देना चाहिए।
* घर एवं विद्यालय के कचड़े को डस्टबीन में एकत्र कर उचित जगह पर कूड़ादान या गड्ढा में डालना चाहिए।
* पुन: चक्रण हेतु प्लास्टिक, पॉलिथीन, सीसा, लोहा, कागज आदि को एकत्रित करना चाहिए।
* सब्जियों के छिलके ,बासी भोजन, चोकर, चावल के कण आदि जानवरों को देना चाहिए।

साफ-सफाई

पुनीता कुमारी

वैज्ञानिक कारण

SCIENCE

विभिन्न वस्तुओं द्वारा उत्पादित ध्वनि एक दूसरे से भिन्न होती है, क्यों?

क्योंकि विभिन्न वस्तुओं द्वारा उत्पादित ध्वनि का तारत्व और प्रबलता भिन्न होती है। इसलिए वे एक-दूसरे से भिन्न होती है।

Madhu priya

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

लॉरेन्सियम(Lawrencium)

एक्टिनाइड सीरीज

संकेत - (symbol) **Lr**

परमाणु संख्या (Atomic no.) -103

परमाणु भार (A.weight) -262

समूह-f block groups

आवर्त (period)-7

ब्लाक (block)-f

संयोजकता- 3

समस्थानिक -10

विन्यास -[Rn]$5f^{14}$ $6d^{1}$ $7s^{2}$

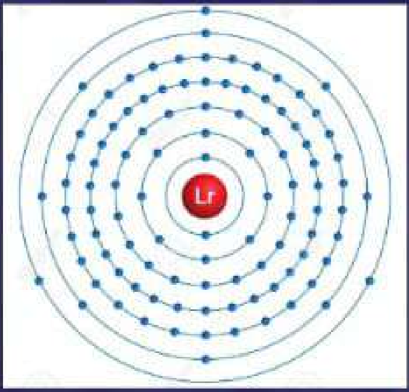

खोज

1961, अल्बर्ट धियोर्सो और टीम

भौतिक गुण

रेडियोधर्मी, सिंथेटिक , दुर्लभ धातु

रासायनिक गुण

अभी तक ज्ञात नहीं

उपयोग

वैज्ञानिक अनुसंधान

Anu priya

IPL

IPL में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले प्लेयर

प्लेयर	विकेट
युजवेंद्र चहल	214
भुवनेश्वर कुमार*	193
पीयूष चावला	192
सुनील नरेन	187
रविचंद्रन अश्विन	185
ड्वेन ब्रावो	183

राकेश कुमार

Teachers of Bihar

The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 30.04.2025

सन्दर्भित शिक्षा

सन्दर्भित शिक्षा, जिसे संदर्भ-आधारित शिक्षा (**Context-Based Learning**) भी कहते हैं, एक शिक्षण शैली है जिसमें शिक्षार्थी वास्तविक जीवन के उदाहरणों और स्थितियों के माध्यम से सीखते हैं। इसमें ज्ञान को केवल पुस्तकों तक सीमित न रखकर, उसे व्यावहारिक संदर्भ में जोड़कर प्रस्तुत किया जाता है, जिससे शिक्षार्थी विषय को बेहतर ढंग से समझ सकें और याद रख सकें।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

आसमान में अनोखा **खगोलीय घटना** देखने को मिला है। दरअसल, **शुक्र, शनि** और आधा चंद्रमा मिलकर एक **स्माइली फेस** बनाया है।

Teachers
Of
Bihar

आओं सीखें

दक्षता

किसी काम को सही तरीके से करने की पूरी क्षमता"। इसमें आपका ज्ञान, कौशल और सही व्यवहार तीनों शामिल होते हैं। यानी आप न सिर्फ जानकारी रखते हैं, बल्कि उसे सही तरीके से इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

जैसे :

छात्र रोजमर्रा की समस्याओं में सही गणना कर सकेगा।

VS

सीखने का परिणाम

सीखने के बाद हासिल किया गया ज्ञान या कौशल।

यह बताता है कि पढ़ाई/प्रशिक्षण के बाद व्यक्ति क्या नया जानता है और क्या कर सकता है।

जैसे :

छात्र जोड़, घटाव, गुणा और भाग के सवाल हल कर सकेगा।

संक्षेप में :-

- सीखने का परिणाम छोटे-छोटे कदम हैं जो मिलकर आपकी दक्षता बनाते हैं।

ToB बूझो तो जानें..

520

ऊंट की बैठक, हिरण सी तेज चाल,
वो कौन सा जानवर जिसके पूंछ न बाल ....बुझो तो जानें ?

मेंढक

संजय कुमार

30 अप्रैल

इस दिन का उद्देश्य सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना डेटाबेस के आधार पर देश के दूरदराज के क्षेत्रों में सस्ती चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ावा देना है.

आयुष्मान भारत दिवस

की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

www.teachersofbihar.org

मधु प्रिया

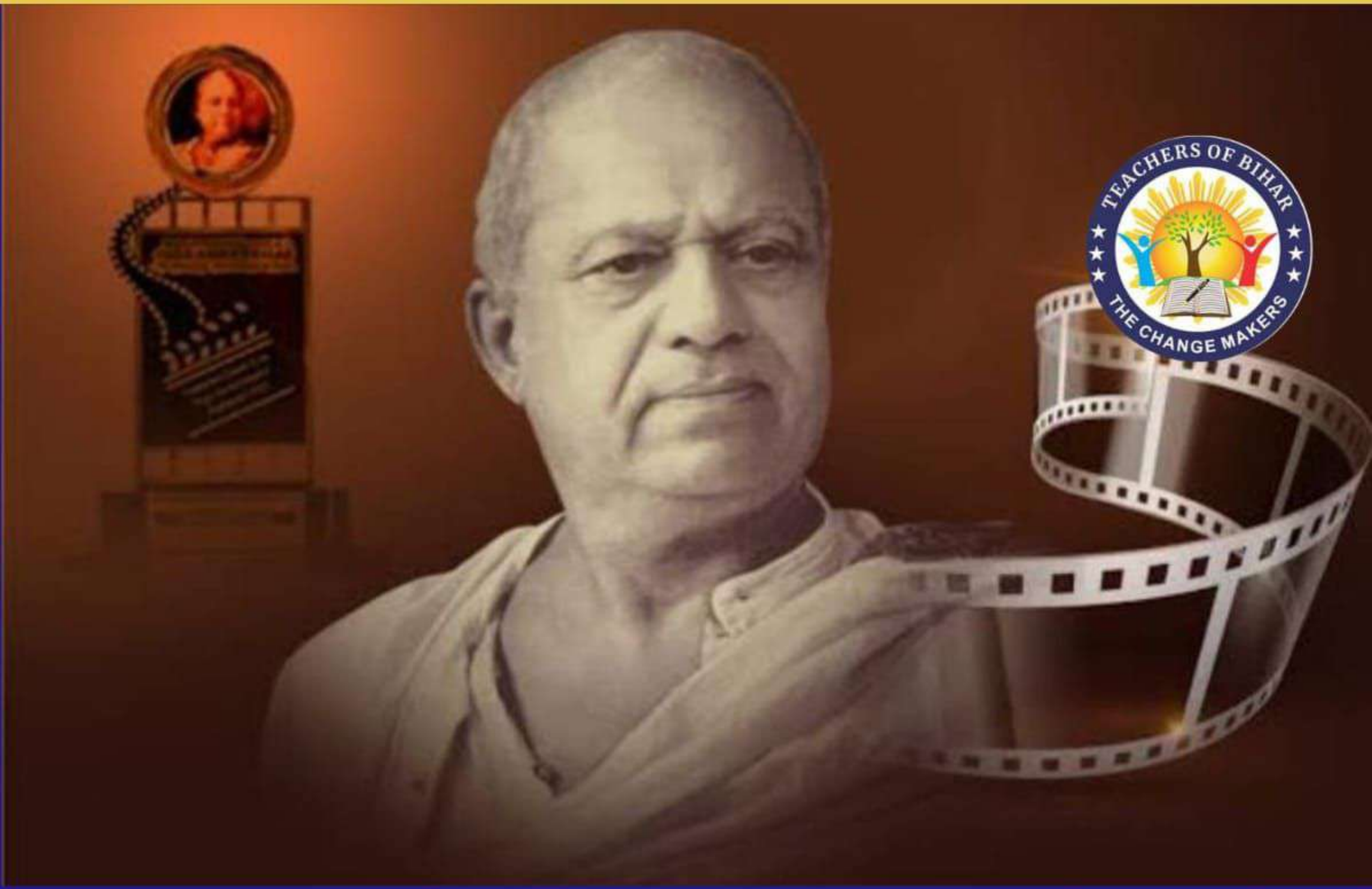

प्रथम भारतीय चलचित्र बनाने का असंभव कार्य करनेवाले, पर्दे पर सजीव रचनात्मकता के प्रथम सृजनकर्ता,भारतीय सिनेमा के जनक

दादा साहेब फाल्के

जी की जयंती पर सादर नमन।

जन्म- 30 अप्रैल 1870 मृत्यु-16 फरवरी 1944

मधु प्रिया

/teachersofbihar

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान, तकनीक और निडर आक्रमण का अचूक संतुलन साध कर विरोधी टीम के लिए एक कठिन आह्वान बनने वाले भारतीय खिलाड़ी

रोहित शर्मा

जी के जन्मदिवस पर अनंत शुभकामनाएं।

जन्म 30 अप्रैल 1987

www.teachersofbihar.org

मधु प्रिया